SAMPLE QUESTION PAPER - 6
Hindi A (002)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधीजी के सम्पर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधीजी न सिर्फ सत्य और अंहिसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्टी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्टी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।

गांधीजी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हजामत बनाने वाले हज्जाम में पेशे के लिहाज से कोई फर्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही है। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस मान्यता को उन्होंने स्थापित करना चाहा। मर्यादाओं और मानव-मूल्यों को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आजाद हिन्दुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए फिर उसे बरकरार भी रखे।

1. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): चंपारण सत्याग्रह के दौरान गांधीजी ने शारीरिक श्रम को उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया।

कारण (R): गांधीजी का मानना था कि कोई काम बड़ा या छोटा नहीं होता, और हर कार्य समान रूप से महत्त्वपूर्ण है।

विकल्प:

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. नीचे दिए गए कथनों में से सही विकल्प का चयन करें:

I. गांधीजी का मानना था कि प्रतिष्ठित वकील और हज्जाम की सामाजिक हैसियत एक समान है।

II. चंपारण सत्याग्रह के दौरान गांधीजी ने बड़े वकीलों को गरीब जनता की सेवा करने का प्रशिक्षण दिया।

III. गांधीजी ने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना।

IV. गांधीजी गरीबों के बजाय केवल वकीलों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे।

विकल्प:

i. केवल कथन I और II सही हैं।

ii. कथन I, II और III सही हैं।

iii. कथन III और IV सही हैं।

iv. केवल कथन II और IV सही हैं।

3. नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. चंपारण सत्याग्रह का उद्देश्य	1. सत्याग्रह की भट्टी में तपे हुए व्यक्तियों का निर्माण।
II. शारीरिक श्रम की महत्ता	2. आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी भारत का निर्माण।
III. साधन शुद्धता की प्राथमिकता	3. मर्यादाओं और मानव-मूल्यों पर आधारित समाज।

विकल्प:

i. I (1), II (2), III (3)

ii. I (2), II (3), III (1)

iii. I (1), II (3), III (2)

iv. I (3), II (1), III (2)

4. गाँधीजी बड़े वकीलों को क्या सिखाना चाहते थे और क्यों? (2)

5. गाँधी आध्यात्मिक प्रयोग क्यों कर रहे थे। (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[7]**

यह मजूर, जो जेठ मास के इस निधूम अनल में
कर्ममग्न है अविकल दग्ध हुआ पल-पल में;
यह मजूर, जिसके अंगों पर लिपटी एक लँगोटी;
यह मजूर, जर्जर कुटिया में जिसकी वसुधा छोटी;
किस तप में तल्लीन यहाँ है भूख-प्यास को जीते,
किस कठोर साधन में इसके युग के युग हैं बीते।
कितने महा महाधिप आए, हुए विलीन क्षितिज में,
नहीं दृष्टि तक डाली इसने, निर्विकार यह निज में।
यह अविकंप न जाने कितने घूंट पिए हैं विष के,
आज इसे देखा जब मैंने बात नहीं की इससे।
अब ऐसा लगता है, इसके तप से विश्व विकल है,
नया इंद्रपद इसके हित ही निश्चित है निस्संशय।

I. कवि की दशा कैसी है? (1)

i. उसकी दशा अच्छी है

ii. वह पेट भरने लायक भी नहीं कमा पाता

iii. वह इन्द्रपद पर आसीन है

iv. वह सुखी है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

II. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): काव्यांश में मजूर की कठिन परिस्थितियों और तप का उल्लेख किया गया है।

कारण (R): काव्य में यह बताया गया है कि मजूर अपने कष्टों के बावजूद पूरी तरह समर्पित और कर्म में तल्लीन है।

विकल्प:

i. ithन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

III. काव्यांश में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. काव्य में मजूर के जीवन की कठिनाईयों और तप का वर्णन किया गया है।

II. मजूर का जीवन केवल कष्टपूर्ण और दुखी है, इसमें कोई सकारात्मक पहलू नहीं है।

III. काव्य में मजूर की तपस्या को विश्व के लिए लाभकारी बताया गया है।

IV. काव्य में मजूर के संघर्षों को नकारात्मक रूप से दर्शाया गया है।

विकल्प:

i. कथन I और III सही हैं।

ii. कथन II और IV सही हैं।

iii. केवल कथन I सही है।

iv. केवल कथन III सही है।

IV. जेठ का महीना कवि को बाधित क्यों नहीं कर रहा है? (2)

V. उसने बडे-से-बड़े लोगों को भी अपना कष्ट क्यों नहीं बताया? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए-** **[4]**

i. पत्थर की मूर्ति पर चश्मा असली था। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ii. मूर्तिकार ने सुना और जवाब दिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

iii. काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

iv. एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

v. वह व्यस्तता के कारण नहीं आ पाया। (मिश्र वाक्य)

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

ii. दर्द के कारण वह खड़ा ही नहीं हुआ। (भाववाच्य में बदलिए)

iii. परीक्षा के बारे में अध्यापक द्वारा क्या कहा गया? (कर्तृवाच्य में बदलिए)

iv. नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कहा कि खीरा लज़ीज होता है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

v. क्या अब चला जाए? (कर्तृवाच्य में)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. पक्षी आकाश में <u>उड़ रहे हैं</u>।

ii. वह <u>निबंध</u> लिखता है।

iii. <u>मोहन</u> दसवीं कक्षा में बैठा है।

iv. हम अपने <u>देश पर</u> मर मिटेंगे।

v. सुरेश, यदि <u>मैं</u> बीमार हो जाऊँ।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. फूल हँसे कलियाँ मुस्कुराई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. नील गगन-सा शांत हृदय था रो रहा।

iii. पायो जी मैंने राम रतन धन पायो

iv. फूल हँसे कलियाँ मुसकाई।

v. "चाँद सा मुख"

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मुफ़स्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

i. लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट महंगा होने पर भी क्यों खरीदा?

क) सभी विकल्प सही हैं
ख) भीड़ से बचने के लिए
ग) प्राकृतिक दृश्यों को निहारने के लिए
घ) एकांत में चिंतन करने के लिए

ii. नवाब साहब की आँखों में लेखक को क्या दिखाई दिया?

क) उत्साह
ख) बेचैनी
ग) आँसू
घ) असंतोष

iii. नवाब साहब के सामने तौलिए पर क्या रखा था?

क) रुमाल
ख) लड्डू
ग) पुस्तकें
घ) खीरे

iv. कौन-सी बात लेखक के अनुमान के प्रतिकूल थी?

क) सफेदपोश नवाब ने उन्हें डिब्बे में चढ़ने से रोका।
ख) उस डिब्बे में एक सफेदपोश नवाब बैठे थे।
ग) उस डिब्बे में भी बहुत भीड़ थी।
घ) सेकंड क्लास का डिब्बा खाली नहीं था।

v. **सफेदपोश** शब्द से लेखक क्या संकेत कर रहा है?

क) वे सफेद वस्त्र पहने हुए थे।
ख) वे सभ्य और भद्र दिख रहे थे।
ग) वे बहुत सुंदर वस्त्र पहने हुए थे।
घ) वे नवाब से प्रतीत हो रहे थे।

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. कस्बों, शहरों, महानगरों के चौराहों पर किसी न किसी क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का प्रचलन-सा हो गया है- उस मूर्ति के प्रति आपके एवं दूसरे लोगों के क्या उत्तरदायित्व होने चाहिए? **[2]**

ii. वह कौन-सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर? **[2]**
(एक कहानी यह भी)

iii. बालगोबिन भगत को किन विशेषताओं के कारण साधु कहा जाता था? **[2]**

iv. **संस्कृति** पाठ के अनुसार लेखक ने आविष्कर्ता और आविष्कृत चीज़ के मध्य क्या संबंध बताया है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हमारें हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौं, जिनके मन चकरी।।

i. **नंद-नंदन** शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

क) कृष्ण　　ख) सूरदास

ग) उद्धव　　घ) गोपियों

ii. गोपियों को योग व ज्ञान की बातें कैसी लगती हैं?

क) बहुत मधुर　　ख) नीरस

ग) अग्नि के समान　　घ) कड़वी ककड़ी के समान

iii. गोपियों ने श्रीकृष्ण की तुलना किससे की है?

क) भौंरे से　　ख) हारिल की लकड़ी से

ग) सन्यासी से　　घ) कड़वी ककड़ी से

iv. गोपियों ने श्रीकृष्ण की बातों को किसके लिए बताया है?

क) उद्धव के लिए　　ख) जो सन्यासी है

ग) जो प्रेम करता हो　　घ) जिसका मन स्थिर न हो

v. **ब्याधि** शब्द का क्या अर्थ है?

क) आधार　　ख) विरह

ग) रक्षा　　घ) रोग

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. इस वर्ष पाठ्य-पुस्तक में पढ़ी किस कविता में बादलों का प्रतीक लिया गया है? कविता के मूल भाव को अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

ii. 'फसल' कविता में फसल के उत्पादन में किन-किन तत्वों का योगदान बताया गया है? **[2]**

iii. मुख्य गायक के साथ संगतकार का होना क्यों आवश्यक है? **[2]**

iv. **आत्मकथ्य** काव्य में उन कारणों का उल्लेख कीजिए, जिनसे कवि को उज्लव गाथा गाने में कठिनाई हो रही है? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

i. **माता का अँचल** किसी और युग की कोई कहानी प्रतीत होती है - अपने वर्तमान से उसकी तुलना करते हुए इसके पक्ष या विपक्ष में अपनी राय लिखिए। **[4]**

ii. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह से हो रहा है। **[4]**

iii. जितेन नोर्गे ने सिक्किम की प्रकृति और भौगोलिक स्थिति के बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं? **साना साना हाथ जोड़ि** पाठ के आधार पर लिखिए। **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

i. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

ii. **वन संरक्षण : प्राथमिकता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- मनुष्य और वन में अटूट संबंध
- संरक्षण प्रथम आवश्यकता क्यों?
- वन संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का प्रभाव
- सुझाव

iii. **जब मैं नाटक के संवाद भूल गया/गई** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- नाटक प्रस्तुति
- पहली बार मंच पर
- अध्यापिका/अध्यापक और मित्रों द्वारा उत्साहवर्धन
- सफलतापूर्वक समाप्ति और सराहना

13. गत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं। इससे आप चिंतित हैं। इन अपराधों की रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अस्पताल में दाखिल हुए अपने किसी दुर्घटनाग्रस्त मित्र को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

14. बंसल प्रकाशन प्रा० लि० दिल्ली को डी. टी. पी. आपरेटर की आवश्यकता है। इस पद हेतु अपनी योग्यताओं का विवरण देते हुए व्यवस्थापक को स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

विद्यालय से दो दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को एक ईमेल लिखिए क्योंकि आपको बुखार आ गया है।

15. **राजा** फिल्म के लिए लड़के व लड़कियों की प्रतिभा को परखने हेतु 25-50 शब्दो मे एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

अपने मित्र को रमज़ान की शुभकामनाएँ देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   2. ii. कथन I, II और III सही हैं।
   3. i. I (1), II (2), III (3)
   4. गाँधी जी बड़े वकीलों को हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसना और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा पीसने की कला सिखाना चाहते थे ताकि वे गरीब जनता की सेवा करने में हिचकिचाएँ नहीं और श्रम के महत्त्व को एक नई पहचान दिला सकें।
   5. गाँधीजी अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्टी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्टी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।
2. I. (ii) वह पेट भरने लायक भी नहीं कमा पाता
   II. (ii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   III. (i) कथन I और III सही हैं।
   IV. जेठ का महीना कवि को बाधित नहीं कर रहा है क्योंकि वह अपने काम में मग्न है।
   V. उसने बडे-से-बड़े लोगों को भी अपना कष्ट नहीं बताया क्योंकि वह अपने काम में तल्लीन है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. वह मूर्ति पत्थर की थी और उस पर चश्मा असली था।
   ii. मूर्तिकार ने सुनकर जवाब दिया।
   iii. काशी में जो संगीत आयोजन होता है उसकी एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है।
   iv. एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। (संज्ञा आश्रित उपवाक्य)
   v. वह इतना व्यस्त है कि वह आ नहीं पाया।
   अथवा
   जब वह व्यस्त है तभी वह आ नहीं पाया।
4. i. नेताजी के द्वारा देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया गया।
   ii. दर्द के कारण उससे खड़ा ही नहीं हुआ गया।
   iii. परीक्षा के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?
   iv. नवाब साहब के द्वारा हमारी ओर देखकर कहा गया कि खीरा लज़ीज होता है।
   v. क्या अब चलें ?
5. i. **उड़ रहे हैं**- क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल।
   अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल।
   ii. **निबन्ध**- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।
   iii. **मोहन**- संज्ञा, व्यक्तिवाचक पुल्लिंग एकवचन।
   व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
   iv. **देश पर**- संज्ञा, जातिवाचक पुल्लिंग एकवचन, अधिकरण कारक।
   v. **मैं**- पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता
   पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग, एकवचन, ' हो जाऊं'क्रिया का कर्ता ।
6. i. मानवीकरण अलंकार
   ii. उपमा अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. मानवीकरण अलंकार
   v. उपमा अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मुफ़स्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया। गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

(i) **(क)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(ii) **(घ)** असंतोष
व्याख्या:
असंतोष

(iii) **(घ)** खीरे
व्याख्या:
खीरे

(iv) **(ख)** उस डिब्बे में एक सफेदपोश नवाब बैठे थे।
व्याख्या:
उस डिब्बे में एक सफेदपोश नवाब बैठे थे।

(v) **(ख)** वे सभ्य और भद्र दिख रहे थे।
व्याख्या:
वे सभ्य और भद्र दिख रहे थे।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) उस मूर्ति के प्रति मेरा पहला दायित्व इसकी देखभाल और सुरक्षा हेतु होना चाहिए। मूर्ति सम्मानजनक स्थिति में रहे यह भी मेरे दायित्वों में शामिल है। साथ ही मैं विशेष अवसरों पर इस महापुरुष के सम्मान में कार्यक्रम कर लोगों के बीच जागरुकता फैलाना चाहता हूँ।

(ii) लेखिका के पिता को कॉलेज की प्रिंसिपल ने एक पत्र भेजा था जिसमें उनके विरुद्ध होने वाली अनुशासनात्मक कार्यवाही का उल्लेख था | उसे पढ़कर पिताजी बेहद नाराज़ हुए | जब वे कॉलेज गए तो उन्होंने देखा कि वहाँ उनकी बेटी का इतना रौब है कि उनके बिना लडकियाँ क्लास में भी नहीं जातीं | ये देखकर वे कॉलेज की प्रिंसिपल से बोले कि उनकी लड़की वही कर रही है जो देश की पुकार है | घर आने पर जब वे प्रसन्नतापूर्वक ये घटना सुना रहे थे तो लेखिका को न अपने कानों पर विश्वास हो पाया और न अपनी आँखों पर |

(iii) बालगोबिन भगत सबसे खरा व्यवहार रखते। वे किसी से भी दो टूक बात कहने में संकोच नहीं करते थे। किसी की वस्तु को न तो बिना पूछे काम में लाते और न ही किसी से कभी सहायता माँगते। उनकी इन्हीं विशेषताओं के कारण उन्हें साधु कहा जाता था।

(iv) लेखक ने आविष्कर्ता और आविष्कृत चीज़ के मध्य यह संबंध बताया है कि आविष्कृत वस्तु जितनी परिष्कृत होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक परिष्कृत आविष्कर्ता होगा।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हमारें हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौं, जिनके मन चकरी।।

(i) **(क)** कृष्ण
व्याख्या:
कृष्ण

(ii) **(घ)** कड़वी ककड़ी के समान
व्याख्या:
कड़वी ककड़ी के समान

(iii) **(ख)** हारिल की लकड़ी से
व्याख्या:
हारिल की लकड़ी से

(iv) **(घ)** जिसका मन स्थिर न हो
व्याख्या:
जिसका मन स्थिर न हो

(v) **(घ)** रोग
व्याख्या:
रोग

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) इस वर्ष पाठ्य-पुस्तक में पढ़ी गई 'उत्साह' कविता में बादलों को क्रांति का प्रतीक बताया गया है। यह एक संदेशपरक कविता है। कवि ने इस कविता के माध्यम से उत्साह, रचनात्मक क्रान्ति और नवचेतना का संदेश देना चाहा है। कवि बादल का आह्वान करता है कि वह गर्जन करते हुए सारे आकाश में छा जाए। उसका गर्जन जन - जन के हृदय में परिवर्तन और चेतना की प्रेरणा भर दे। बादल ग्रीष्म के ताप को मिटाकर संसार को शीतल कर देता है। वह प्राणियों को नया जीवन देता है। वह तीव्र परिवर्तन का वाहक है। कवि समाज के समर्थ लोगों को संदेश देना चाहता है कि वे अभाव, शोषण और कष्टों से पीड़ित लोगों के प्रति सहानुभूति और संवेदनशीलता दिखाएँ।

(ii) कवि के अनुसार फसलें नदियों के पानी, भूरी-काली संदली तथा अनेक प्रकार की मिट्टी, सूरज की धूप, हवा और मानव श्रम के मेल से बनी हैं। अर्थात् फसल किसी एक की मेहनत का फल नहीं बल्कि सभी के सम्मिलित योगदान का प्रतिफल है।

(iii) मुख्य गायक को सफल बनाने हेतु संगतकार का होना आवश्यक है। और साथ ही अगर गायक अपने सुरों में लीन हो जाता है तब उसे संगतकार ही पुनः वास्तविक स्थिति में लेकर आता है।

(iv) कवि के जीवन में थोड़ी मधुर स्मृतियाँ भी हैं। जीवन के उन कोमल पक्षों में किसी को भागीदार नहीं बनाना चाहता है, क्योंकि उन थोड़ी-सी मधुर स्मृतियों में दूसरों को आनंद प्रदान करने वाली कोई बात नहीं है। इससे वह स्वयं ही उपहास का पात्र बनेगा, यही कठिनाई उसके सामने है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) बेशक, 'माता का अँचल' पाठ किसी और युग की कोई कहानी प्रतीत होती है। उक्त पाठ के माध्यम से लेखक ने जिस तरह वर्तमान और अपने बचपन के समय का दृष्टांत रखा है, सराहनीय है। 'माता का अँचल' ग्रामीण संस्कृति पर आधारित लेखक के बचपन का संस्मरण है। उस समय के सामाजिक परिवेश में बच्चों का बचपन बहुत ही स्वच्छंद और आनंदमय था। लेखक अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहते हैं कि उनका अधिक समय पिता के साथ ही बीतता था। माता से तो बस दूध पीने तक का नाता था। सारा दिन भोलानाथ अपने दोस्तों के साथ खेल तमाशों में व्यस्त रहता। पिता भी उसकी हर गतिविधि में शामिल रहते। परन्तु जब संकट आया तो भोलानाथ माँ की शरण में जा छुपता। क्योंकि हर बच्चे को लगता है कि संकट के समय माँ का आँचल ही उसके लिए सबसे सुरक्षित जगह है। लेखक ने बचपन के दिनों की शरारतों तथा धार्मिक वातावरण का वर्णन भी बख़ूबी किया है। लेकिन इसके विपरित आज के बच्चों का बचपन आधुनिकता के चपेट में आकर दम तोड़ रहा है। रिश्ते आज भी वही हैं, पर किसी को किसी से कोई मतलब नहीं रह गया है। सभी अपनी दुनिया में व्यस्त हैं।

(ii) हिरोशिमा तो विज्ञान के दुरुपयोग का ज्वलंत उदाहरण है ही पर हम मनुष्यों द्वारा विज्ञान का और भी दुरुपयोग किया जा रहा है। जैसे -

i. विज्ञान ने यात्रा को सुगम बनाने के लिए हवाई जहाज़, गाड़ियों आदि का निर्माण किया परन्तु हमने इनसे अपने ही वातावरण को प्रदूषित कर दिया है।
ii. इस विज्ञान की देन के द्वारा आज हम अंगप्रत्यारोपण कर सकते हैं। परन्तु आज इस देन का दुरुपयोग कर हम मानव अंगों का व्यापार करने लगे हैं।
iii. विज्ञान के दुरुपयोग से भ्रूण हत्याएँ बढ़ रही है ।
iv. विज्ञान ने कंप्यूटर का आविष्कार किया उसके पश्चात् उसने इंटरनेट का आविष्कार किया ये उसने मानव के कार्यों के बोझ को कम करने के लिए किया। हम मनुष्यों ने इन दोनों का दुरुपयोग कर वायरस व साइबर क्राइम को जन्म दिया है।
v. आज हर देश परमाणु अस्त्रों को बनाने में लगा हुआ है जो आने वाले भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

(iii) जितेन नार्गे, ड्राइवर कम गाइड ने सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में निम्नलिखित महत्वपूर्ण जानकारियाँ भली-भांति दीं-

i. फूलों और फूलों के बाद के बारे में
ii. श्वेत पताकाओं पर मंत्र लिखे होते हैं जो शांति और अहिंसा के प्रतीक होते हैं।
iii. बुद्ध की मान्यता के अनुसार जब किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु होती है तो उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी भी पवित्र स्थान पर 108 श्वेत पताकाएँ फहरा दी जाती हैं।
iv. नए कार्य की शुरुआत में भी यह पताकाएँ लगा दी जाती है पर वे रंगीन होती हैं।
v. खेदुम में पवित्र स्थल के बारे में बताया जहाँ पर यह मान्यता है कि जो यहाँ गंदगी करता है उसकी मौत हो जाती है।
vi. उसने गुरु नानक के फुटप्रिंट के बारे में बताया
vii. नार्गे ने धर्म चक्र अर्थात प्रेयर व्हील के बारे में बताया कि इसको घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं।
viii. उसने कई पहाड़ी इलाकों के बारे में बताया
ix. यूमथांग की पहाड़ियों के बारे में बताते हुए कहा कि 15 दिन में यहाँ फूलों से घाटियां भर जाएँगी और देखने पर ऐसा लगेगा मानो फूलों की सेज लगी हो।
x. कवी लोंग स्टॉक स्थान जहाँ गाइड फिल्म की शूटिंग हुई थी के बारे में बताया
xi. लेखिका को उसने सेवन सिस्टर वाटरफॉल दिखाया।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।
जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

होती है।समय रहते कार्य न किया गया तो बात नहीं बन सकती है । इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय की महत्ता समझते हुए ही कार्य करना चाहिए क्योंकि जो व्यक्ति समय को महत्व नहीं देता है समय (काल) भी उसे महत्वहीन कर देता है। जीवन का यही कटु सत्य है । महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

(ii) वन हमारी **भारतीय संस्कृति** के परिचायक रहें हैं। प्राचीनकाल में मनुष्य प्रकृति के संरक्षण में अपने जीवन मूल्यों को आलोकित व पल्लवित करता था इसीलिए वन हमारी आध्यात्मिक व भौतिक उन्नति के आधार स्तंभ रहें हैं। वृक्षों के बारे में कहा भी गया है कि, वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न पीवे नीर। परमारथ के कारणे साधु धरा शरीर।।' वन त्याग, परोपकार, विनम्रता और एकता की शिक्षा ग्रहण करता है। वनों से हमें कई लाभ है किंतु प्रमुख रूप से इसे दो भागों में बाँटा जा सकता है।

- प्रत्यक्ष लाभ।
- अप्रत्यक्ष लाभ।

वनों से जड़ी-बूटी, औषधियाँ, फर्नीचर बनाने व ईंधन हेतु लकड़ियाँ प्राप्त होती है। वनो से अनेक लघु व कुटीर उद्योग चलते है, वन्य प्राणियों को जीवनाधार है ये वन। नैसर्गिक सौंदर्यानुयगी मनुष्यों के लिए ये पर्यटन का माध्यम भी है। अप्रत्यक्ष रूप से देखें तो ये वन वातावरण के तापक्रम को नियंत्रित करने व संतुलन बनाए रखने में सहायक है। मरूस्थल के प्रसार को रोक बाढ़ नियंत्रण में सहायक होते हैं। मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए अंधाधुंध वनों की कटाई कर रहा है जिसके कारण वर्षा प्रभावित हो रही है। प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है जिसका भयंकर परिणाम अपने विभिन्न रूपों में आज हमारे सामने हैं। भूमि की उर्वरा शक्ति का क्षरण हो रहा है व दिनोंदिन जलवायु गर्म हो रही है। वायु **प्रदूषण** बढ़ रहा है, जल स्तर कम हो रहा है और मरूभूमि का प्रसार हो रहा है। वन-संरक्षण आज हमारी प्रथम आवश्यकता बन गई है क्योंकि वृक्ष ही जल है, जल ही अन्न है, और अन्न ही जीवन है। विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए वनों की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है अन्यथा अनावृष्टि, अतिवृष्टि, अकाल, इत्यादि विषमताएँ हमारे जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। अभयारण्यों को बनाना उनकों विकसित करना व संरक्षण प्रदान करना वनों का उद्देश्य है । वन हमें आर्थिक लाभ पहुँचाते हैं। प्रत्येक देशवासी का यह कर्तव्य है कि वह वनों का संरक्षण करें और संकल्पित हों कि वृक्षों का सहेजेंगे। वृक्षारोपण करें यह हमारे जीवन का आधार हैं।

(iii) मेरे लिए नाटक की प्रस्तुति पहली बार मंच पर हुई थी, और यह मेरे लिए एक अनुभव और रोमांच से भरा हुआ अनुभव था। मैं वहाँ खड़ा होकर अपने विभाग के सभी साथियों के सामने आया था, और वो बड़ी उत्सुकता से मेरी प्रस्तुति का स्वागत कर रहे थे। मंच पर होने का अद्भुत और दर्दनाक सुनहरा पल था, जिसने मुझे नई और अनूठी अनुभव की ओर अग्रसर किया।

मेरे नाटक की प्रस्तुति के समय, मेरे अध्यापिका और अध्यापक ने मुझे अत्यधिक समर्थन और उत्साह प्रदान किया। उन्होंने मेरे संवाद भूल जाने पर मुझे उत्साहित किया और मुझे यकीन दिलाया कि मैं संवाद को फिर से याद कर सकता/सकती हूँ। मेरे मित्र भी मेरे साथियों की तरह मुझे सहानुभूति और समर्थन दिया और मुझे आत्म-विश्वास दिलाया कि मैं स्टेज पर सफलता प्राप्त कर सकता/सकती हूँ।

नाटक की प्रस्तुति समाप्त होने पर, मेरे लिए यह एक अद्वितीय और संवादबद्ध अनुभव था। मैंने संवाद को सफलता पूर्वक याद किया और प्रस्तुति को सम्पूर्ण कर लिया। मेरे साथियों और दर्शकों ने मेरी प्रस्तुति को सराहा और मुझे गर्मी से अपलौद किया। इसके बाद, मुझे आत्म-संतोष की अनुभूति हुई क्योंकि मैंने एक चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलता पूर्वक पूरा किया था।

इस प्रकार, नाटक प्रस्तुति के दौरान संवाद भूलने का एक अद्वितीय और सीखदायक अनुभव हुआ था, जिसमें अध्यापिका/अध्यापक और मित्रों का समर्थन और सहानुभूति मेरे लिए महत्वपूर्ण थीं। इस अनुभव ने मुझे संवाद के महत्व को और अधिक समझाया और मुझे संवाद की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने का मौका दिया।

13. सेवा में,
थानाद्यक्ष जी
थाना
गाजियाबाद

विषय- क्षेत्र में बढ़ुते अपराओं के संदर्भ में।

महोदय,

इस पत्र द्वारा मैं आपका ध्यान गाँधी नगर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराधों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। गत एक माह से हमारे क्षेत्र में अपराधियों की संख्या में वृद्धि अई है। अपराधी निर्भय होकर सड़कों पर घूमते हैं। महिलाओं की चेन छीन लेते हैं। कई दूरों में चोरी की घटनाएँ भी दृष्टव्य हुई है। अपराधी घरों में घुस कर बंदूक की नोक पर लोगो का अपहरण भी कर रहे है। पुलिस इन घटनाओं पर अंकुश लगाने में असफल रहा है । हमने कई बार चौकियों पर शिकायत भी की किंतु परिणाम नहीं निकले। परिणाम स्वरूप हम सभी भयभीत है व हमारी दैनिक गतिविधियाँ बुरी तरह से प्रभावित हैं।

आपसे सादर अनुरोध है कि इस समस्या के विषय में समुचित कार्खाही करने, की कृपा करे ताकि हम समी नागारिक शांति पूर्ण ढंग से जीवन निर्वाहन कर सकें।

मैं आपका आभारी रहूँगा।

भवदीय
अखिल

अथवा

75/4 लवकुश नगर,
दिल्ली
दिनांक 05/03/2019

प्रिय मित्र मोहित,

मधुर स्मृति, मुझे कल ही सचिन के पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम दुर्घटनाग्रस्त हो गए हो। यह जानकर मुझे अत्यंत दुःख हुआ क्योंकि पंद्रह दिन बाद तुम्हारी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएँ आरम्भ होने वाली हैं। ऐसे समय में तुम्हारी टखने की हड्डी टूटना निस्संदेह खेद का विषय है। मित्र जीवन में कष्ट तो आते ही रहते हैं इनसे घबराना नहीं चाहिए। ये तो वास्तव में तुम्हारे धैर्य की परीक्षा की घड़ी है। इस समय तुम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अस्पताल में अधिक चिंता करना उचित नहीं है। घर आकर तुम परीक्षा की तैयारी करना। आशा है मेरी बातों पर तुम ध्यान दोगे। आंटी व अंकल को प्रणाम।

तुम्हारा अभिन्न मित्र,

रोहित

14. प्रति,

व्यवस्थापक

बंसल प्रकाशन प्रा० लि०

दिल्ली।

विषय-डी. टी. पी. आपरेटर हेतु आवेदन-पत्र।

महोदय,

दिनांक 05 मई, 20xx को प्रकाशित 'टाइम्स ऑफ इंडिया' अंग्रेजी दैनिक समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि आपके प्रकाशन को डी. टी. पी. आपरेटर की आवश्यकता है। मुझे डी .टी .पी . आपरेटर के कार्य का अनुभव और जानकारी है। इस संबंध में मैं अपनी योग्यताओं का उल्लेख करते हुए आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण निम्नलिखित है-

नाम - रोहित राय

पिता का नाम - श्री राम प्रकाश राय

जन्मतिथि - 10 सितबर, 1990

पता - बी 323, इंद्रप्रस्थ कालोनी, आनंद विहार, दिल्ली।

शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2005	55%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2007	59%
बी. ए.	पत्राचार संस्थान, दिल्ली	2010	55%

व्यावसायिक योग्यताएँ-

1. पुस्तक प्रकाशन में द्विवर्षीय डिप्लोमा वाई.एम.सी.ए. से 2012
2. कम्प्यूटर प्रशिक्षण एकवर्षीय डिप्लोमा एन.आई.आई.टी से 2013

अनुभव- ओजस्वी प्रकाशन में कम्प्यूटर आपरेटर मार्च 2013 से अब तक।

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि सेवा का अवसर मिलने पर पूरी निष्ठा से कार्य करूँगा और अपनी सेवाओं से मैं आपको संतुष्ट रखने का पूर्ण प्रयास करूँगा।

सधन्यवाद

रोहित राय

हस्ताक्षर .....

दिनांक 08 मई, 2019

संग्लन- समस्त शैक्षणिक, व्यावसायिक योग्यताओं एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com

To: abcschool@gmail.com

CC ...

BCC ...

विषय - विद्यालय से दो दिन के अवकाश हेतु

महोदय,

मैं कक्षा 10 का नियमित छात्र हूँ। जैसा कि आप जानते हैं कि आजकल मौसम तेजी से परिवर्तित हो रहा है और आस-पास काफी लोग बीमार पड़ रहे हैं, उसी बदलते मौसम के कारण मुझे भी सर्दी का भयंकर प्रकोप होने से तेज बुखार आ गया है। इसी वजह से मैं कक्षा में उपस्थिति दर्ज कराने में असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने दो दिन की नियमित दवाई के साथ आराम करने की सलाह भी दी है।

अतः मैं दिनांक 17.04.22 एवं 18.04.22 का अवकाश चाहता हूँ। कृपया उक्त दो दिनों का अवकाश स्वीकृत करने का कष्ट करे।

पवन

सुनहरा मौका

चूक न जाना !

क्या आप अभिनय में रुचि रखते हैं और इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं तथा फिल्मों में आना चाहते हैं?

- अपनी कला को एक नई पहचान दें
- अपने सपनों को साकार करें

तो आइए और "**राजा**" फिल्म में अभिनय करने के लिए अपनी प्रतिभा सिद्ध कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15.

ऑडिशन दिनांक २२ फरवरी,२०१९ को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ
ऑडिशन स्थान- प्रथम तल, द्वारका सेक्टर - 8, फोन : 884545XXXX

अथवा

संदेश

25.4 .2020
प्रात:- 5.20 बजे
प्रिय मित्र
मैं तुम्हें और तुम्हारे परिवार को रमज़ान पर्व की दिली मुबारकबाद देता हूँ। ईश्वर तुम्हें और तुम्हारे परिवार को खुशियाँ ही खुशियाँ दे। इसी शुभकामना के साथ-

फूलों को बहार मुबारक,
किसानों को खलिहान मुबारक,
परिंदों को उड़ान मुबारक,
चांद को सितारे मुबारक,
आपको रमजान मुबारक!!!
तुम्हारा गिरीश

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in